नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 231
दि. 22.12.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

पीएम मोदी ने असम के नामरूप में असम वैली उर्वरक और रसायन कंपनी लिमिटेड की अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना की आधारशिला रखी

■ असम ने विकास की नई गति पकड़ी है-प्रधानमंत्री

■ हमारी सरकार किसानों के कल्याण को अपने सभी प्रयासों के केंद्र में रख रही है-प्रधानमंत्री मोदी

■ कृषि को बढ़ावा देने और किसानों का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन जैसी पहलें शुरू की गई हैं- प्रधानमंत्री

■ 'सबका साथ, सबका विकास' की परिकल्पना से प्रेरित होकर हमारे प्रयासों ने गरीबों के जीवन को बदल दिया है-प्रधानमंत्री मोदी

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज असम के डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में असम वैली उर्वरक और रसायन कंपनी लिमिटेड की अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह चाओलुंग सुखापा और महावीर लछित बोडफुकन जैसे महान नायकों की भूमि है। उन्होंने भीमबर देउरी, शहीद कुशल कुंवर, मोरन राजा बोदूसा, मालती मेम, इंदिरा मीरी, स्वर्गदेव सरबानंदा सिंह और वीर सती साधनी के योगदान को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे उजानी असम की पवित्र भूमि, इस वीरता और बलिदान की महान भूमि को नमन करते हैं।

श्री मोदी ने कहा कि वे आगे बड़ी संख्या में लोगों को अपना स्नेह व्यक्त करते हुए देख सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से माताओं और बहनों की उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वे जो प्रेम और आशीर्वाद लेकर आई हैं, वह असाधारण है। उन्होंने कहा कि कई बहनें असम के चाय बागानों की सुगंध लेकर आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुगंध असम के साथ उनके रिश्ते में एक अनूठा भाव पैदा करती है। उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों को प्रणाम किया और उनके स्नेह और प्रेम के लिए आभार व्यक्त किया।

श्री मोदी ने कहा कि आज का दिन असम और पूरे पूर्वोत्तर भारत के लिए ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ का लंबे समय से प्रतीक्षित सपना साकार हो गया है और इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि कुछ ही समय पहले उन्होंने अमोनिया-यूरिया उर्वरक संयंत्र का भूमि पूजन किया और डिब्रूगढ़ पहुंचने से पहले गुवाहाटी हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी कह रहे हैं कि असम ने अब विकास की एक नई रफ्तार पकड़ ली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज जो कुछ हो रहा है वह तो बस शुरूआत है और असम को अभी और आगे ले जाना है। उन्होंने अहोम साम्राज्य के दौरान असम की ताकत और भूमिका को याद करते हुए कहा कि विकसित भारत में असम उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने नए उद्योगों की शुरूआत, आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण, सेमीकंडक्टर विनिर्माण, कृषि में नए अवसरों, चाय बागानों और उनके श्रमिकों की उन्नति और पर्यटन में बढ़ती संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि असम हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। श्री मोदी ने आधुनिक उर्वरक संयंत्र के लिए शुभकामनाएं दीं और गुवाहाटी हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के लिए लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य स्तर पर उनकी सरकारों के तहत, उद्योग और कनेक्टिविटी के तालमेल से असम के सपने साकार हो रहे हैं और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में देश के किसानों और अन्नदाताओं की प्रमुख भूमिका है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए काम कर रही है और किसान हितैषी योजनाएं सभी किसानों तक पहुंचाई जा रही हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कृषि कल्याणकारी पहलों के साथ-साथ किसानों को उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। श्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में नया यूरिया संयंत्र इस आपूर्ति की गारंटी देगा। उन्होंने बताया कि उर्वरक परियोजना में लगभग 11,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 12 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक का उत्पादन होगा।

तो इसमें गलत क्या है?', हिजाब विवाद पर बोले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी

(जीएनएस)।

बिहार में हिजाब को लेकर छिड़ा विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। नीतीश कुमार द्वारा एक महिला आयुष चिकित्सक को हिजाब हटाने की सलाह देने पर अब केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बचाव किया है। मांझी ने इस मामले में नीतीश कुमार का समर्थन करते हुए इसे पिता-पुत्री का रिश्ता बताया और विवाद को अनावश्यक करार दिया।

उन्होंने आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि समाज में कुछ लोग जानबूझकर सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि मुख्यमंत्री की मंशा केवल पेशेवर सलाह देने की थी।

जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार का बचाव करते हुए एक विवादित और अजीबोगरीब तर्क दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई 20-25 साल का युवक ऐसा कहता, तो सवाल उठ सकते थे, लेकिन 74 साल के "बूढ़े आदमी" ने अगर अपनी बेटी समान डॉक्टर से चेहरा साफ रखने को कहा, तो इसमें गलत क्या है? मांझी ने दिल्ली की एक महिला पत्रकार का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे उन्होंने उसे बाल ठीक करने की सलाह दी, वैसे ही नीतीश जी ने दी।

'समाज को बर्बाद करते हैं कठमुल्ला'

केंद्रीय मंत्री ने हिजाब मुद्दे पर कट्टरपंथियों और धमकी देने वालों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि ऐसे "कठमुल्ला" लोग ही समाज को बर्बाद करते हैं और भाईचारे के बीच विवाद पैदा करते हैं। मांझी ने महिला चिकित्सक की सराहना करते हुए कहा कि वह धन्यवाद की पात्र हैं कि उन्होंने विवादों को दरकिनार कर नौकरी जॉइन करने का फैसला किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि धर्म को पेशेवर कर्तव्यों के बीच नहीं लाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा हमारी लोकसंस्कृति और अस्मिता का जीवंत दस्तावेजः मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ सिनेमा और स्थानीय संस्कृति के बीच संबंध पर जोर दिया, ऐतिहासिक उपलब्धियों का जश्न मनाया, और उद्योग के भविष्य को बढ़ावा देने के लिए 150 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के साथ एक नई फिल्म सिटी

सहित सरकारी समर्थन की रूपरेखा तैयार की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित साइंस कॉलेज परिसर के पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित "छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ी फिल्मों का सफर" कार्यक्रम में शामिल हुए।

उ.प्र.सरकार किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों और नवाचारों से लैस करने के लिए किसान पाठशाला कार्यक्रम का विस्तार कर रही

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को बाराबंकी से किया था शुभारंभ

उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों और नवाचारों से लैस करने के लिए किसान पाठशाला कार्यक्रम का विस्तार कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई इस पहल ने 21,000 ग्राम पंचायतों में लाखों लोगों को प्रशिक्षित किया है, जो प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, मिट्टी स्वास्थ्य, बागवानी और आय बढ़ाने वाले तरीकों पर केंद्रित है।

(जीएनएस)।

योगी सरकार के निर्देश पर किसानों को आधुनिक खेती और कृषि नवाचारों के लिए लगातार प्रशिक्षित किया जा रहा है। कृषि विभाग के तत्वावधान में रबी सीजन के दौरान किसान पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 12 दिसंबर को बाराबंकी के पद्मश्री किसान रामसरन वर्मा के गांव दौलतपुर से किसान पाठशाला 8.0 (रबी 2025-26) का शुभारंभ किया था। इसके तहत अब तक 10 दिनों में 6.98 लाख किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। किसान पाठशाला का आयोजन 29 दिसंबर तक जारी रहेगा।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रदेश की 21 हजार ग्राम पंचायतों में जनपदीय और मंडलीय कार्यालयों को निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में 12 दिसंबर से 21 दिसंबर तक 10 दिनों के दौरान 6720 ग्राम पंचायतों में किसान पाठशाला और गोष्ठियों का आयोजन किया जा चुका है।

इस अवधि में 6.98 लाख किसानों को कृषि एवं सहवर्ती विभागों की योजनाओं, कृषि विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा विकसित नवाचारों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षित किसानों में 4.37 लाख पुरुष और 2.61 लाख महिला किसान शामिल हैं।

कृषि विभाग के अनुसार, किसान पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत वर्ष 2017-18 से अब तक लगभग दो करोड़ से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ना और उनकी आय को बढ़ाना है।

किसान पाठशाला के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती, फसल प्रबंधन, फसल सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य, बागवानी, नई तकनीकों, सरकारी योजनाओं और आय बढ़ाने के व्यावहारिक तरीकों की जानकारी दी जा रही है। योगी सरकार की यह पहल किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन करने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

'हिंदू एकजुट हों तो बंगाल बदल सकता है, RSS को BJP से जोड़कर देखना बड़ी भूल', चुनाव से पहले बोले मोहन भागवत

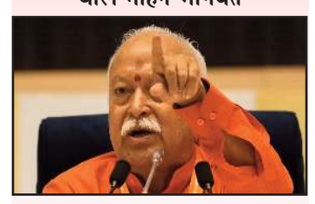

चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत के बयान ने हलचल मचा दी है। कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अगर हिंदू समाज एकजुट हो जाए तो बंगाल की स्थिति में सुधार संभव है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि राजनीतिक बदलाव पर टिप्पणी करना उनका काम नहीं है और संघ सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करता है, न कि सत्ता की राजनीति के लिए।

मोहन भागवत ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने के मामले पर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि इस तरह के कदम सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के लिए उठाए जा रहे हैं। मोहन भागवत ने कहा यह न तो हिंदुओं के हित में है और न ही मुसलमानों के।

विकसित भारतः जी राम जी योजना मनरेगा के आगे का कदम है- केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

मजदूर भाइयों, अब 100 नहीं, बल्कि 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी है- श्री शिवराज सिंह चौहान

मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है- श्री शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज विकसित भारत जी राम जी बिल को अपनी मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अब ये कानून का रूप ले चुका है। इससे पहले केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक वक्तव्य जारी किया। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी एक्ट के बारे में विस्तार से बताया तथा कहा कि इसके बारे में भ्रम फैलाने की साजिश हो रही है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है। भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि विकसित भारतः जी राम जी योजना मनरेगा के आगे का कदम है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि मजदूर भाइयों, अब 100 नहीं, बल्कि 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी है। काम न मिलने की स्थिति में बेरोजगारी भत्ते के प्रावधान को और सशक्त बनाया गया है। मजदूरी अगर देर से मिली तो अतिरिक्त राशि देने का भी प्रावधान किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि इस योजना के लिए इसी साल ₹1,51,282 करोड़ से अधिक की विशाल धनराशि प्रस्तावित है, ताकि रोजगार देने के लिए पर्याप्त पैसा हो, और उस पैसे से गांव का सम्पूर्ण विकास हो सके। विकसित भारत के लिए विकसित गांव, स्वावलंबी गांव और गरीबी मुक्त - रोजगार युक्त गांव बनाने के लिए जल संरक्षण, गांव में इन्फ्रास्ट्रक्चर के काम, आजीविका मूलक गतिविधियों तथा प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के काम हाथ में लिए जाएंगे।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 125 दिन के रोजगार की गारंटी के साथ कृषि कार्य के समय छोटे-छोटे किसान भाई-बहनों को दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का योग तथा ध्यान की प्राचीन परंपरा को स्वस्थ-संतुलित समाज के निर्माण के लिए जन आंदोलन बनाने का आह्वान

■ महात्मा मंदिर में विश्व ध्यान दिवस का उत्साहपूर्ण उत्सव

■ गुजरात राज्य योग बोर्ड के योग कोच व ट्रेनर्स का प्रथम दीक्षांत समारोह संपन्न - मुख्यमंत्री ने प्रमाणपत्र प्रदान किए

■ हिमालयन समर्पण मेडिटेशन के पूज्य श्री शिवकृपानंद स्वामीजी के पावन सान्निध्य में सामूहिक ध्यान सत्र आयोजित

गांधीनगर, 21 दिसंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को योग साधना तथा ध्यान की प्राचीन परंपरा को स्वस्थ व संतुलित समाज निर्माण के लिए जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को मन की शांति और स्वस्थ एवं निरोगी जीवनशैली के साथ ध्यान तथा योग से ही समाज तथा राष्ट्र निर्माण द्वारा साकार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने अध्यक्षता करते हुए गुजरात राज्य योग बोर्ड के कोच एवं योग ट्रेनर्स के प्रथम दीक्षांत समारोह एवं विश्व ध्यान दिवस समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने योग ट्रेनर्स को बधाई देते हुए कहा कि योग शारीरिक शक्ति बढ़ाता है तथा ध्यान मन की एकाग्रता बढ़ाता है। योग करने की शक्ति का संचय ध्यान से प्राप्त होने वाली मजबूत निर्णय शक्ति द्वारा ही होता है।

मुख्यमंत्री ने ध्यान को भारत की प्राचीन परंपरा से उपजा हुआ वरदान बताते हुए कहा कि आज के तेज और तनावपूर्ण समय में मानसिक शांति के लिए यह उतना ही प्रासंगिक है।

श्री पटेल ने कहा कि भारत विश्व को आध्यात्मिक मार्गदर्शन देने वाला देश है। उन्होनें गौरवपूर्ण उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने योग को जो वैश्विक मान्यता दिलाई; उसके परिणामस्वरूप 21 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री ने योग को स्वास्थ्य रक्षा का परंपरागत सरल भाग बताते हुए नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान से रोग- बीमारी से मुक्त रहने का उपाय सुझाया है।

उन्होंने 'आयुष्यमान भारत' सुविधा की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि 'आयुष्यमान भारत' जैसी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है, जिसमें योग के माध्यम से स्वास्थ्य रक्षा के बावजूद यदि किसी को गंभीर बीमारी हो जाए तो उसके उपचार के लिए प्रधानमंत्री द्वारा 'आयुष्मान भारत'

अहमदाबाद मंडल के आम्बली रोड स्टेशन पर बनाया जा रहा है "रेल कोच रेस्टोरेंट"

नागरिकों को मिलेगा यात्रा जैसा अनुभव, स्वादिष्ट भोजन और विभिन्न सुविधाएँ

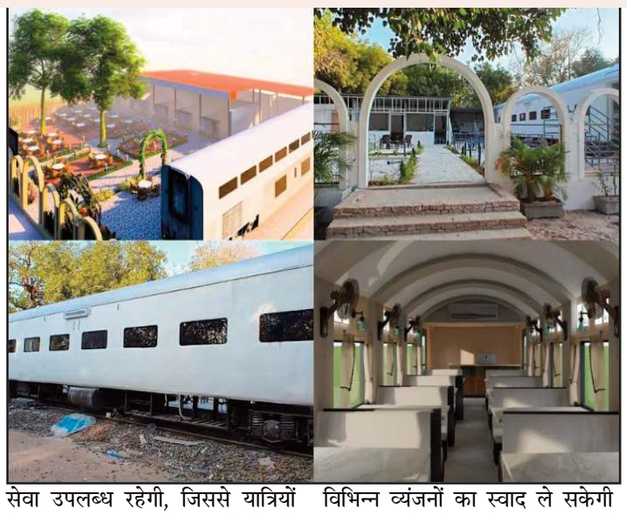

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा आंबली रोड रेलवे स्टेशन पर आधुनिक 'रेल कोच रेस्टोरेंट' का निर्माण किया जा रहा है। इस अनूठी पहल के तहत परिवर्तित रेल कोचों में रेस्टोरेंट विकसित किया जा रहा है, जहाँ बैठकर लोग बिना यात्रा किए ही चलती ट्रेन में होने जैसा अनुभव प्राप्त कर सकेंगे और स्वादिष्ट भोजन का आनंद ले सकेंगे। आंबली रोड स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट अहमदाबाद क्षेत्र का पहला रेस्टोरेंट होगा। पश्चिम रेलवे में बांद्रा टर्मिनस, अंधेरी, बोरीवली, रतलाम तथा राजकोट में रेल कोच रेस्टोरेंट स्थापित किए गए है।

इस रेल कोच रेस्टोरेंट में 24 घंटे सेवा उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों को भी दिन-रात भोजन की सुविधा मिलेगी। अहमदाबाद की जनता यहाँ परिवार और मित्रों के साथ बैठकर विभिन्न व्यंजनों का स्वाद ले सकेगी तथा आकर्षक रेल-थीम वातावरण में सेल्फी और यादगार पलों का आनंद उठा सकेगी। इस रेस्टोरेंट में इनडोर एवं आउटडोर डाइनिंग दोनों विकल्प होंगे। इसके साथ ही पर्याप्त पार्किंग, पार्सल/टेक-अवे सुविधा तथा बच्चों के लिए खेलने की व्यवस्था (फन जोन) भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह स्थान परिवार-अनुकूल बन सके। यह रेस्टोरेंट हरियाली से युक्त सुखद वातावरण प्रदान करेगा तथा सभी सुरक्षा मानको का ध्यान रखकर बनाया जा रहा है।

आंबली रोड के अतिरिक्त, महेसाणा, साबरमती, भुज एवं गांधीधाम रेलवे स्टेशनों के सकुर्लेटिंग एरिया में भी 'रेल कोच रेस्टोरेंट' विकसित किए जाने की योजना है।

भारतीय रेलवे के अभिनव दृष्टिकोण के तहत इन संशोधित कोचों में आधुनिक डिजाइन, संलग्न किचन तथा मल्टी-क्यूज़िन मेनू की सुविधा होगी, ताकि विभिन्न स्वादों की पसंद को पूरा किया जा सके।

भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता से 06 सिंहों को ट्रेन की चपेट में आने से बचाया गया

भावनगर रेलवे मंडल द्वारा सिंहों/वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल के निदेर्शानुसार ट्रेनों का संचालन करने वाले लोको पायलट निर्धारित गति का पालन करते हुए विशेष सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। भावनगर मंडल के लोको पायलटों की सतर्कता एवं वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकरों के समन्वय से पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 159 सिंहों की जान बचाई जा चुकी है। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 81 सिंहों को सुरक्षित बचाया गया है।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दिनांक 21.12.2025 (रविवार) को लोको पायलट श्री अनीश शेख एवं सहायक लोको पायलट श्री फरमान हुसैन ने सासणगीर-कांसियानेश सेक्शन में किलोमीटर संख्या 112/7-112/6 के बीच रेलवे ट्रैक पर 06 सिंहों को देखा। तत्पश्चात उन्होंने ट्रेन संख्या 52955 वेरावल-जूनागढ़ यात्री गाड़ी को तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर सुरक्षित रूप से रोक लिया।

लोको पायलट द्वारा ट्रेन मैनेजर (गार्ड) श्री विद्यानन्द कुमार को तुरंत सूचना दी गई। वन विभाग के फॉरेस्ट ट्रैकर श्री राणा भाई द्वारा सभी सिंहों को सुरक्षित रूप से रेलवे ट्रैक से हटाया गया। स्थिति सामान्य पाए जाने के उपरांत लोको पायलट को ट्रेन के प्रस्थान की अनुमति दी गई, जिसके बाद ट्रेन को सावधानीपूर्वक गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

इस घटना की जानकारी प्राप्त होने पर लोको पायलटों द्वारा किए गए इस सराहनीय एवं संवेदनशील कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा एवं अन्य अधिकारियों द्वारा प्रशंसा व्यक्त की गई।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर सामूहिक ध्यान सत्र का आयोजन

(जीएनएस)।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 21 दिसंबर 2025 को आर्ट ऑफ लिविंग के अनुभवी प्रशिक्षकों के सहयोग से विभिन्न स्थानों पर सामूहिक ध्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को मानसिक शांति, सकारात्मक सोच तथा आत्मिक संतुलन की ओर प्रेरित करना था, ताकि वे दैनिक जीवन के तनाव और चुनौतियों का सामना अधिक सहजता एवं आत्मविश्वास के साथ कर सकें।

वर्तमान समय में बढ़ते वैश्विक तनाव, कार्यस्थल के दबाव तथा मानसिक स्वास्थ्य से ज़ुड़ी समस्याओं को देखते हुए विश्व ध्यान दिवस का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिवस मानवता को एक क्षण ठहरकर स्वयं से जुड़ने, आंतरिक शांति प्राप्त करने तथा सकारात्मक ऊर्जा को अपनाने का संदेश देता है।

ध्यान सत्र के दौरान प्रतिभागियों को ध्यान के वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक महत्व के बारे में जानकारी दी गई। नियमित ध्यान से व्यक्ति में भावनात्मक स्थिरता आती है, आध्यात्मिक विकास को बल मिलता है, तनाव में कमी होती है तथा समाज में सामुदायिक जुड़ाव और आपसी सौहार्द बढ़ता है। उपस्थित प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि ध्यान के माध्यम से मन को एकाग्र कर नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित किया जा सकता है।

यह सामूहिक ध्यान सत्र अहमदाबाद मंडल के साबरमती कम्युनिटी सेंटर, विरमगाम कम्युनिटी सेंटर, कांकरिया कम्युनिटी सेंटर तथा गांधीधाम कम्युनिटी सेंटर में आयोजित किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में रेल अधिकारियों एवं रेल कर्मचारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने शांत वातावरण में ध्यान का अभ्यास किया और मानसिक सुकून का अनुभव किया।

इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के प्रेरणादायी विचारों को भी साझा किया गया कि 'ध्यान ही वह माध्यम है जिससे नकारात्मक विचारों से ऊपर उठकर सकारात्मकता स्वतः और स्वाभाविक रूप से आती है।'

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल सभी रेल कर्मचारियों से अपील करता है कि वे अपने दैनिक जीवन में ध्यान को अपनाएं तथा ऐसे सामूहिक कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करें, जिससे व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ कार्यक्षमता, आपसी समन्वय एवं सामाजिक सद्भाव को भी मजबूती मिल सके।

बिहार वालों की जेब पर रेलवे का प्रहार! जानिए पटना से दिल्ली, कोलकाता और मुंबई का नया किराया

(जीएनएस)।

रेलवे ने लंबी दूरी का सफर तय करने वाले करोड़ों यात्रियों के लिए किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। इसका सीधा प्रभाव बिहार से दिल्ली, मुंबई और बैंगलोर जैसे महानगरों की ओर जाने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए किरायों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की वृद्धि की है, जो स्लीपर और 3अउ दोनों श्रेणियों पर लागू होगी।

यह नया नियम 26 दिसंबर से प्रभावी होगा। हालांकि यह वृद्धि मामूली लग सकती है, लेकिन लंबी दूरी के यात्रियों के लिए टिकट बुकिंग के समय अब थोड़ा अतिरिक्त बजट रखना होगा।

स्लीपर क्लास के लिए कितना बढ़ा किराया

रेलवे ने 215 किमी से अधिक की यात्रा पर 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की है। नए किराए 26 दिसंबर 2025 से लागू होंगे।

पटना से दिल्ली (1000 किमी): अब आपको टिकट बुक करते समय लगभग ₹20 अतिरिक्त देने होंगे।

पटना से मुंबई (1700 किमी): यात्रा के लिए आपकी जेब ₹34 ज्यादा ढीली होगी।

पटना से बैंगलोर (2150 किमी): इस लंबे रूट पर किराए में करीब ₹43 की वृद्धि होगी।

पटना से कोलकाता (533 किमी): कम दूरी होने के कारण यहां केवल ₹11 के आसपास किराया बढ़ेगा।

अन्य शहर: दरभंगा, कटिहार और मुजफ्फरपुर से अहमदाबाद या हैदराबाद जाने वाले यात्रियों को भी ₹30 से ₹45 तक अतिरिक्त चुकाने होंगे।

मध्यम वर्ग के सफर पर असर

जो यात्री बेहतर सुविधा के लिए 3अउ क्लास का चुनाव करते हैं, उन्हें भी स्लीपर के बराबर यानी 2 पैसे प्रति किलोमीटर की अतिरिक्त राशि चुकानी होगी। पटना से कोलकाता (533 किमी) की यात्रा अब करीब ₹11 महंगी हो जाएगी, जबकि हैदराबाद और अहमदाबाद जैसे शहरों के लिए यह वृद्धि ₹30 से ₹45 के बीच रहेगी। इलाज और व्यापार के सिलसिले में अक्सर महानगरों का चक्कर लगाने वाले यात्रियों के लिए अब यात्रा खर्च का हिसाब थोड़ा बदल जाएगा।

26 दिसंबर से लागू होंगे नए नियम

यह बदलाव इसी महीने की 26 तारीख से देशभर में लागू होने जा रहा है। रेलवे प्रशासन के अनुसार, यह कदम व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और संचालन खर्च को संतुलित करने के लिए उठाया गया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे 26 दिसंबर के बाद अपनी यात्रा की योजना बनाते समय नए किराया चार्ट को जरूर देख लें। जो लोग पहले ही अपनी टिकट बुक करा चुके हैं, उन पर इस बढ़े हुए किराए का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

देशभक्ति के जज्बे की बौछारों में भीगा सभागार..₹विरासत₹ की पहली सालगिरह पर विमोचन समारोह बना यादगार

प्रमुख साहित्यिक पत्रिका 'विरासत' की पहली सालगिरह पर आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में नवीनतम अंक का विमोचन करते विभिन्न अतिथिगण तथा दीप प्रज्वलन, समूह नृत्य एवं गान प्रस्तुतियों के विभिन्न दृश्य।

मुंबई, 21 दिसम्बर। मुंबई की प्रमुख सामाजिक और साहित्यिक संस्था "श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन" द्वारा प्रकाशित की जाने वाली प्रमुख साहित्यिक पत्रिका "विरासत" की प्रथम वार्षिकी एवं नवीन अंक के विमोचन के अवसर पर शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025 को आयोजित भव्य साहित्यिक और सांस्कृतिक समारोह सहभागी दर्शकों के लिए यादगार बन गया, जब सुप्रसिद्ध नृत्य समूह कलानंद नृत्य संस्था, ठाणे की कत्थक गुरु सुश्री भावना संजीव लेले के निर्देशन में प्रतिभावान किशोरी नृत्यांगनाओं द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की संकल्पना को समर्पित शानदार नृत्य प्रस्तुतियों से समूचा सभागार देशभक्ति के पावन जज्बे की बौछारों में भीगकर अभिभूत दर्शकों की तालियों से गूंज उठा।

यह सुरुचिपूर्ण समारोह शनिवार, 20 दिसम्बर, 2025 को शाम 4 से 7 बजे तक ठाणे के डॉ. काशिनाथ घाणेकर नाट्य गृह के मिनी हॉल में सम्पन्न हुआ, जिसमें "विरासत" पत्रिका की पहली सालगिरह पर नवीन अंक के विमोचन के अलावा भक्ति रस एवं देशभक्ति पर आधारित नृत्य नाटिका, समूह नृत्य गान तथा इन्द्रधनुषी कवि सम्मेलन का आयोजन भी रखा गया। इस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ राजनेता और समाजसेवी एडवोकेट संदीप लेले उपस्थित रहे, जबकि समारोह की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध गीतकार तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर द्वारा की गई। प्रारम्भ में "श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन" की अध्यक्षा और "विरासत" पत्रिका की प्रधान सम्पादक श्रीमती रागिनी शाह और समारोह के संयोजक प्रसून शाह ने सभी अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत सत्कार किया। दीप प्रज्वलन से शुरू हुए इस समारोह में मुंबई के प्रमुख साहित्यकार नवीन चतुवेर्दी, डॉ. कृपाशंकर मिश्र, ओमप्रकाश तिवारी, आनंद सिंह, पूजा अलापुरिया, लक्ष्मी यादव, अरुण शेखर, रीमा राय सिंह, डॉ वर्षा महेश, अर्चना वर्मा सिंह, अनुज वर्मा, किरण मिश्रा, रीता कुशवाहा, कुसुम तिवारी, अम्बिका झा, जागृति सिन्हा, अर्चना झा, निधि शुक्ला, सूर्य जीत मौर्या, माया मेहता और पल्लवी रानी सहित विभिन्न कविगण और कवयित्रियाँ शामिल रहीं। कलानंद नृत्य संस्था, ठाणे की कलाकारों द्वारा भक्ति रस पर आधारित कत्थक नृत्य के अंतर्गत गणेश भक्ति, श्रीराम भक्ति, कृष्ण भक्ति और विठ्ठल भक्ति के अलावा विभिन्न देशभक्ति गीतों तथा अंत में वंदे मातरम नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। समारोह के अंत में मशहूर गीत "मिले सुर मेरा तुम्हारा" का भावपूर्ण प्रदर्शन सुश्री मंजू गुलराजानी के निर्देशन में उषा रायचौधरी, बापू भोगते, आभा दवे, माला महाराज, वीना कुलकर्णी, विजयलक्ष्मी भट्ट, रीता चक्रवर्ती, दीपिका राजन, सुधा केडिया और नीलम एच द्वारा किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। समारोह का सुरुचिपूर्ण मंच संचालन संयुक्त रूप से त्रिलोकीनाथ और डॉ. वर्षा महेश ने किया। इस अवसर पर अन्य उपस्थित राजनेताओं में सोनम शर्मा, संतोष जयसवाल, सिरजा जयसवाल, विक्रम भोईर, राकेश चौगुले, समीरा भारती, भास्कर बेरीशेट्टी, रागिनी भास्कर बेरीशेट्टी, अश्विन शेट्टी, मंजुला मालेकर, प्रतिभा पांडे, रंजना हजारे, सचिन पंजाबी, रितु सेखों और वंदना त्रिपाठी शामिल रहीं। इस अवसर पर "विरासत" पत्रिका की पहली सालगिरह का उत्सव भी मनाया गया तथा मंच पर मौजूद विभिन्न अतिथियों ने "विरासत" पत्रिका के नवीनतम अंक का विमोचन भी किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक आशीष शाह ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में श्री बीरेंद्र शाह फाउंडेशन द्वारा विशिष्ट अतिथि एडवोकेट संदीप लेले एवं विरासत पत्रिका के प्रबंध निदेशक आशीष शाह का जन्मदिन मंच पर केक काटकर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने विश्व ध्यान दिवस मनाया और तनाव प्रबंधन में ध्यान की वैज्ञानिक भूमिका पर प्रकाश डाला

एमडीएनआईवाई के विशेषज्ञों के अनुसार, ध्यान तनाव प्रबंधन और न्यूरोप्लास्टिसिटी के लिए एक वैज्ञानिक उपकरण है

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने आज विश्व ध्यान दिवस मनाया। इस अवसर पर विशेष ध्यान सत्रों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात विद्वान, योग करने वाले और उत्साही लोग एक साथ आए। इस आयोजन ने बढ़ते वैश्विक तनाव के बोझ से निपटने में प्राचीन योगिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के संगम को रेखांकित किया।

एमडीएनआईवाई के निदेशक प्रो. (डॉ.) काशीनाथ समागंडी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आज के प्रतिस्पर्धी विश्व में ध्यान के नैदानिक महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लगभग 60 से 70 प्रतिशत तनाव व्यावसायिक प्रकृति का होता है और पतंजलि योगसूत्र में वर्णित तकनीकों के माध्यम से शरीर और मन को संतुलित करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। समकालीन शोध का हवाला देते हुए उन्होंने समझाया कि न्यूरोइमेजिंग अध्ययनों से पता चलता है कि ओम का जाप करने से

एमिग्डाला - मस्तिष्क का भय और नकारात्मक भावनाओं का केंद्र- की गतिविधि कम हो जाती है, क्योंकि यह प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स को सक्रिय करता है जो भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करता है। एक एफएमआरआई अध्ययन ने विश्राम अवस्था की तुलना में तेज आवाज में ओम का जाप करने के दौरान एमिग्डाला की महत्वपूर्ण निष्क्रियता को प्रदर्शित किया है। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईएमएस), नई दिल्ली के निष्कर्षों का भी हवाला दिया जो यह दशार्ते हैं कि योग निद्रा से मस्तिष्क की क्रिया में परिवर्तन होते हैं जो गहन विश्राम और भावनात्मक विनियमन से जुड़े होते हैं जिससे तनाव कम होता है।

ध्यान की आध्यात्मिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हुए, नई दिल्ली के रामकृष्ण मिशन के स्वामी मुक्तिमयानंद ने प्रतिभागियों को स्थायी शांति के लिए अंतमुर्खी होने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक उतार-चढ़ाव को शांत करने की शुरूआत आत्म-समझ और अपने सच्चे स्वरूप - सत चित आनंद स्वरूप - की पहचान से होती है, जो प्रेम और करुणा पर आधारित है। उन्होंने अहंकार, ईर्ष्या और अधूरी इच्छाओं पर काबू पाने के लिए यम और नियम का पालन करने पर भी बल दिया जो आंतरिक सामंजस्य को भंग करते हैं।

इस कार्यक्रम में विभिन्न ध्यान तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसिक और भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ाने के लिए प्रभावी उपकरण प्रदान करना था। कार्यक्रम का समापन "स्वस्थ मन, स्वस्थ भारत" के दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए दैनिक जीवन में ध्यान को शामिल करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

इस कार्यक्रम में विश्वास मेडिटेशन, नई दिल्ली के श्री अतुल चावला, एमडीएनआईवाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आई.एन. आचार्य और एमडीएनआईवाई के संचार एवं प्रलेखन अधिकारी मोहम्मद तैयब आलम उपस्थित थे। कार्यक्रम में योगाभ्यास करने वालों, छात्रों, संकाय सदस्यों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों सहित लगभग 700 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में 'विश्व ध्यान दिवस' समारोह में भाग लिया

- मन की शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए ध्यान अत्यंत महत्वपूर्णः उपराष्ट्रपति
- सच्चे विकास में भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण शामिलः उपराष्ट्रपति
- भारत की आध्यात्मिक परंपराएं विश्व का मार्गदर्शन करती हैं: उपराष्ट्रपति
- उपराष्ट्रपति ने ध्यान को वैश्विक स्तर पर फैलाने में 'दाजी' के योगदान की सराहना की

(जीएनएस)।

भारत के उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में आयोजित 'विश्व ध्यान दिवस' समारोह में भाग लिया और मन की शांति, भावनात्मक कल्याण तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में ध्यान की शाश्वत प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान एक सार्वभौमिक पद्धति है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है। उन्होंने इसे मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आंतरिक परिवर्तन के मार्ग के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि 'विश्व ध्यान दिवस' आधुनिक जीवन में चिंतन के बढ़ते महत्व को पहचानने का एक अवसर देता है।

उपराष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित करने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया, जिसके तहत 21 दिसंबर को 'विश्व ध्यान दिवस' घोषित किया गया था। उन्होंने कहा, विश्व ध्यान दिवस से मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में ध्यान की शक्ति को वैश्विक मान्यता मिली है। इस अवसर पर उन्होंने ध्यान के अभ्यास को विश्व भर में फैलाने के लिए 'दाजी' के योगदान की सराहना की और कहा कि ध्यान, योग और आध्यात्मिक खोज की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं के साथ भारत आज भी विश्व को शाश्वत ज्ञान प्रदान कर रहा है।

भारत की सांस्कृतिक विरासत का जिक्र करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में ध्यान को हमेशा से मन और आत्मा का एक प्राचीन विज्ञान माना गया है, जिसे ऋषियों-मुनियों ने आगे बढ़ाया है। भगवदगीता और तमिल के महान ग्रंथ 'तिरुमंथिरम' की सीख का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान के जरिए मन पर काबू पाने से ही इंसान को आंतरिक शांति मिलती है, वह खुद को बेहतर ढंग से समझ पाता है और एक अच्छा जीवन जी पाता है।

उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को पाने में ध्यान की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक तरक्की ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उत्थान भी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ध्यान के जरिए हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ शांति हो, लोग मुश्किलों का सामना करने की ताकत रखें और एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखें।

मिशन लाइफ' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान से जागरूकता, जिम्मेदारी और प्रकृति के साथ तालमेल जैसे गुण विकसित होते हैं, जो स्थायी जीवन जीने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के लिए 'कान्हा शांति वनम' की सराहना की।

नागरिकों से ध्यान को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए, श्री राधाकृष्णन ने लोगों, परिवारों और समाज से आग्रह किया कि वे खुद इसका उदाहरण बनें। उन्होंने कहा कि हमें आने वाली पीढ़ियों को भी उन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जो मानसिक शांति, संतुलन और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं।

समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना सरकार के मंत्री श्री डी. श्रीधर बाबू, हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक दाजी कमलेश डी. पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। साथ ही, कान्हा शांति वनम में आयोजित इस सामूहिक ध्यान सत्र में हजारों की संख्या में लोग भी शामिल हुए।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

एक होने का संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को कोलकाता के साइंस सिटी सभागार में संघ के शताब्दी समारोह के अवसर पर एक बार फिर दुहराया कि यदि हिंदू एकजुट हो जाएं तो स्थिति बंगाल में भी बदल जाएगी और हिंदू बांग्लादेश में भी सुरक्षित हो सवेंगे। संघ प्रमुख हिंदुओं की एकजुटता पर कई बार बोल चुके हैं। बंगाल और बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नारा दिया था कि 'बंटेंगे तो कटेंगे'। योगी जी के इस नारे को विवादास्पद स्वरूप दिया गया क्योंकि भाजपा के ही वुछ अति उत्साही लोगों ने इस नारे को दूसरे समुदाय के खिलाफ घृणा पैलाने के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और इसे सांप्रदायिक हथियार बना लिया। दरअसल डॉ. भागवत के इस संदेश एवं सलाह में कोई कमी नहीं है और न ही इससे किसी दूसरे धर्मावलम्बियों को कोई असुरक्षा है। संघ प्रमुख का आशय है कि हिंदू अपनी सुरक्षा के लिए एकजुटता का एहसास दिलाएं। 'संघे शक्तिः कलियुगे' का मंत्र यूं ही नहीं सार्थक साबित हुआ है। यह आज भी सच साबित हो रहा है कि जिन कौमों पर खतरा मंडरा रहा है, वे एकजुट होने की कोशिश कर रही हैं। भारत दुनिया का एकमात्र हिंदू बहुल देश है, इसलिए दुनिया में जहां कहीं भी हिंदू ईर्ष्या-द्वेष के शिकार हो रहे हैं, उनकी मदद करने की जिम्मेदारी भारत की है। बांग्लादेश पाकिस्तान का अभिन्न अंग था इसलिए 1950 का नेहरू-लियाकत के बीच हुआ वह समझौता पाकिस्तान पर लागू है जिसमें दोनों देशों को अपने- अपने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर ध्यान देना आवश्यक था। किंतु 1971 में यह समझौता बांग्लादेश और भारत के बीच प्रभावी नहीं रह सका। 1972 में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर भारत और पाकिस्तान ने भी शिमला समझौते में एक-दूसरे देश के मामले में हस्तक्षेप न करने का पैसला लेकर नेहरू-लियाकत समझौते की हवा ही निकाल दी। 1972 के पहले तो दोनों देश एक-दूसरे से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा संबंधी बयानबाजी भी करते थे किंतु शिमला समझौते के बाद अब यदि दोनों देशों में से कोई एक दूसरे पर अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की बात कर देता है तो उस पर तुरंत आंतरिक मामलों पर हस्तक्षेप का आरोप लगता है। मजे की बात तो यह है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 1974 में सीमा-भूमि विवाद को लेकर तो समझौता हुआ किंतु अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह का समझौता हुआ ही नहीं। भारत में संसदीय समिति की रिपोर्ट 2024-25 में जो रिपोर्ट आई उसमें इस बात पर चिंता जताई गई है कि बांग्लादेश में हिंदुओं को काफी प्रताड़ित किया जा रहा है। भारतीय विदेश सचिव ने औपचारिक रूप से बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार एवं विदेश विभाग को दो टूक शब्दों में भारत की चिंता से अवगत करा दिया था। अब रही बात बांग्लादेश के हिंदुओं का संदर्भ तो डॉ. भागवत का विचार यदि मान भी लें तो यह दायित्व बांग्लादेश में रहने वाले हिंदुओं की ही है कि वे वैसे अपने एकात्मकता को अपनी सुरक्षा के लिए ढाल बना सकते हैं। इतना जरूर है कि भारत अपने उच्चायोग के अधिकारियों के माध्यम से यथोचित सहायता पहुंचा सकते हैं। डॉ. भागवत जहां तक बांग्लादेश के हिंदुओं की एकात्मकता की बात कर रहे हैं तो इस राज्य में घुसपैठिए बांग्लादेशी नागरिकों से वहां के मुस्लिम समाज के मूल निवासी भी परेशान हैं। यही बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। यह मामला पूरी तरह कानून व्यवस्था का है। यदि राज्य सरकार घुसपैठियों को आश्रय और अनुचित सुविधाएं उपलब्ध करा करके उन्हें अपना वोटर मानने की गलती न करे तो स्थिति अपने आप रास्ते पर आ जाए। बहरहाल डॉ. मोहन भागवत के कहने का आशय हिंदुओं की एकता का बोध कराना है। उन्होंने साफ कर दिया है कि हिंदू एकजुट होगा तो उसकी सुरक्षा स्वतः सुनिश्चित होगी। किंतु इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि हिंदुओं की एकजुटता किसी अन्य के लिए खतरा साबित होगी।

अरावली खत्म होने वाली है? बवाल के बीच पर्यावरण मंत्री ने बताया क्या है सरकार का प्लान

(जीएनएस)।

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण और माइनिंग को लेकर मचे घमासान के बीच केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने अरावली की नई परिभाषा और माइनिंग के दावों को लेकर फैल रहे भ्रम को खारिज करते हुए कहा कि पर्वत श्रृंखला का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आज भी पूरी तरह सुरक्षित है।

मंत्री ने साफ किया कि 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में से मात्र 0.19% हिस्से में ही खनन की अनुमति है। सरकार का यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब पर्यावरणविद और विपक्षी नेता नई परिभाषा के कारण अरावली के अस्तित्व पर खतरा बता रहे हैं।

भूपेंद्र यादव ने क्या कहा?

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के अनुसार, अरावली को लेकर सोशल मीडिया और कुछ यूट्यूबरों द्वारा फैलाया जा रहा डर निराधार है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि अरावली का कुल क्षेत्रफल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर है, जिसमें से केवल 217 किलोमीटर क्षेत्र में ही माइनिंग की इजाजत दी गई है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि पहाड़ियों को नापने का पैमाना जमीन से चोटी तक की समग्र ऊंचाई पर आधारित है, और सरकार 'ग्रीन अरावली मिशन' के जरिए इसके संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

100 मीटर की नई परिभाषा पर विवाद

इस पूरे विवाद की जड़ अरावली की नई परिभाषा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया है। नए नियम के तहत अब केवल उन्हीं भू-आकृतियों को 'अरावली पहाड़ी' माना जाएगा जिनकी ऊंचाई धरातल से 100 मीटर या उससे अधिक है। विशेषज्ञों और प्रदर्शनकारियों का तर्क है कि इस मानक से अरावली का एक बड़ा हिस्सा कानूनी सुरक्षा के दायरे से बाहर हो जाएगा। इससे उन छोटी पहाड़ियों पर खनन और रियल एस्टेट

प्रोजेक्ट्स शुरू होने का रास्ता साफ हो सकता है, जो अब तक संरक्षित थीं।

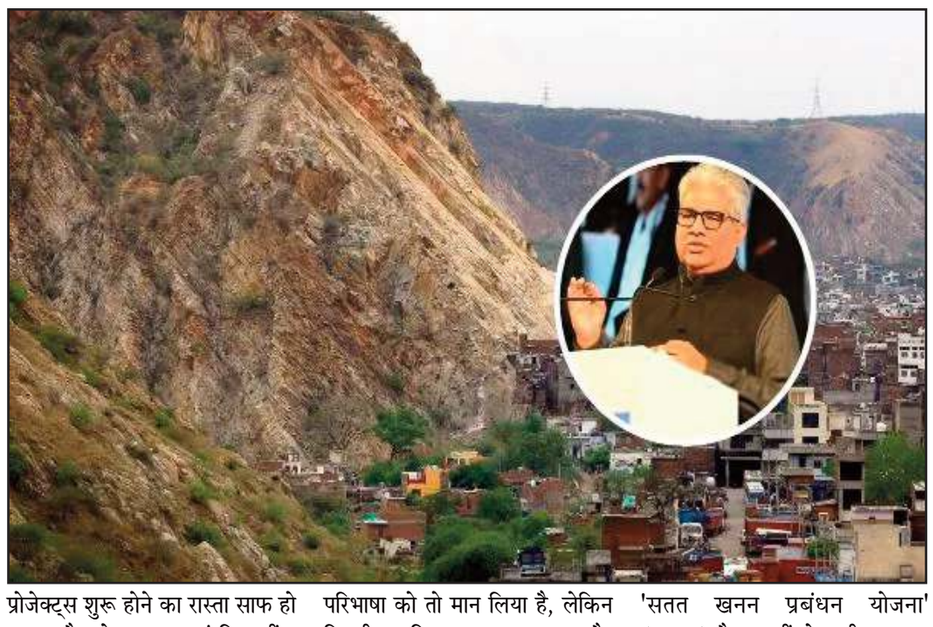

सुप्रीम कोर्ट का रुख और भविष्य की योजना

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की नई परिभाषा को तो मान लिया है, लेकिन दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में नई माइनिंग लीज पर फिलहाल अंतरिम रोक लगा दी है। यह रोक तब तक जारी रहेगी जब तक 'सतत खनन प्रबंधन योजना' (MPSM) तैयार नहीं हो जाती। सरकार का कहना है कि भविष्य में केवल राष्ट्रीय हित और रणनीतिक महत्व के खनिजों के लिए ही सीमित छूट दी जाएगी। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि वह इस संवेदनशील मामले में अदालत को पूरा सहयोग प्रदान करेगा।

विपक्ष का प्रहारः 'अरावली बचेगी तो ही ठउफ बचेगा'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी नेताओं और पर्यावरणविदों ने इस फैसले का कड़ा विरोध किया है। अखिलेश यादव ने चेतावनी दी है कि अरावली सिर्फ एक पहाड़ नहीं, बल्कि दिल्ली-NCR की लाइफलाइन है। यह पर्वतमाला रेगिस्तान को बढ़ने से रोकती है और प्रदूषण कम करने में सहायक है। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि ऊंचाई आधारित परिभाषा अरावली के पारिस्थितिक तंत्र को कमजोर कर देगी, जिससे आने वाले समय में बारिश और जल स्तर पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

गुजरात में सुशासन से स्टार्टअप्स को मिली नई ऊँचाई : एसएसआईपी 2.0 तथा आई-हब बने गेम चेंजर

अटल नेतृत्व, अविरत विकास

गुजरात में सुशासन से स्टार्टअप्स को मिली नई ऊँचाई : SSIP 2.0 तथा i-Hub बने गेम चेंजर

- स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 : पिछले 4 वर्ष में राज्य सरकार द्वारा 1,543 स्टार्टअप्स को मिली सहायता
- i-Hub के माध्यम से राज्य के लगभग 620 स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन तथा सहायता मिली
- स्टार्टअप क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण : WEstÔrt पहल अंतर्गत 196 महिला-संचालित स्टार्टअप्स को सहायता
- i-Hub में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा राज्य में लगभग 1,400 कुशल रोजगार का सृजन, इन स्टार्टअप्स की कुल मार्केट वैल्यू 3,500 करोड़ रुपए से भी अधिक
- गुजरात सरकार की ओर से 15 लाख रुपए के अनुदान की सहायता से मनन बैटरीवाला ने स्थापित की 'कीपसेक ऑटोमेशन' कंपनी

गांधीनगर, 21 दिसंबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दृढ़तापूर्वक मानते हैं कि नवीन विचारों, टेक्नोलॉजी आधारित सॉल्यूशन्स तथा युवा उद्यमियों की शक्ति देश के सर्वांगीण विकास का आधार हैं और विकसित भारत@2047 के निर्माण में स्टार्टअप तथा इनोवेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस बात को आत्मसात करते हुए राज्य में स्टार्टअप को व्यापक प्रोत्साहन दिया है और राज्य में स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0 (SSIP 2.0) जैसी पहल के जरिये उद्यमिता क्षेत्र में सुशासन का उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज गुजरात उद्यमिता के केन्द्र के रूप में उभरा है और लगातार चौथी बार स्टार्टअप रैंकिंग में अग्रसर बना है। इतना ही नहीं; केन्द्र सरकार के स्टार्टअप इंडिया प्रोग्राम में गुजरात देश में बेस्ट परफॉर्मर स्टेट है और राज्य में अनुमानित 16,700 स्टार्टअप कार्यरत हैं।

गुजरात में उद्यमिता को प्रोत्साहन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'युवा अपना बिजनेस शुरू करें और अन्य लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनें; यह क्षमता स्टार्टअप में है। गुजरात ने एक इकोसिस्टम बनाया है, जिसमें WEstÔrt तथा SSIP जैसे कार्यक्रम महिला उद्यमियों को सशक्त बनाते हैं।'

गुजरात का मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम : ररद्ध 2.0 अंतर्गत विद्यालय स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के विद्यार्थियों को मिलती है

सर्वग्राही मेंटरशिप

युवाओं को इनोवेशन के लिए सक्षम आधार उपलब्ध हो; इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार ने पाँच वर्ष (2022-2027) के लिए स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (SSIP 2.0) घोषित की है। इस पॉलिसी के तहत विद्यालय स्तर से लेकर उच्च शिक्षा स्तर तक के विद्यार्थियों को सृजनशीलता के पंख मिलें; इसके लिए उन्हें उचित मार्गदर्शन, प्रोत्साहन एवं वित्तीय सहायता दी जाती है।

SSIP 2.0 अंतर्गत पिछले 4 वर्ष में 1,543 स्टार्टअप को राज्य सरकार ने दी सहायता

उल्लेखनीय है कि SSIP 2.0 अंतर्गत कुल पाँच वर्ष के लिए 300 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें प्रति वर्ष 60 करोड़ रुपए का अनुदान आवंटित किया जाता है। इसमें से 30 करड़ रुपए तकनीकी शिक्षा के लिए, 12 करोड़ रुपए i-Hub के लिए, 10 करोड़ उच्च शिक्षा के लिए और 8 करोड़ रुपए स्कूल के लिए आवंटित किए जाते हैं। ररद्ध 2.0 अंतर्गत 5,684 इनोवेशन को राज्य की 339 संस्थाओं के माध्यम से PoC/प्रोटोटाइप बनाने और 2,296 क्द्धफ फाइल करने के लिए समर्थन दिया गया तथा PoC/फंड सपोर्ट अंतर्गत 32.38 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है, तो पिछले 4 वर्ष में 1,543 स्टार्टअप्स को ररद्ध 2.0 अंतर्गत राज्य सरकार की सहायता प्राप्त हुई है।

गुजरात स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (i-Hub) द्वारा लगभग 620 स्टार्टअप्स को सीधी सहायता मिली

स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी (SSIP) अंतर्गत गठित गुजरात स्टार्टअप एंड इनोवेशन हब (i-Hub) आज राज्य के इनोवेशन इकोसिस्टम का प्रमुख केन्द्र बन गया है। 5 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा i-Hub के नए भव्य कैम्पस का लोकार्पण किया गया था। i-Hub राज्य में इनोवेशन तथा एंटरप्रिन्योरशिप के लिए कार्यरत सबसे बड़ी सुविधा है; जहाँ सिंगल विंडो सपोर्ट के माध्यम से कानूनी, वित्तीय, तकनीकी एवं योजना संबंधी मार्गदर्शन दिया जाता है। यह सुविधा प्रारंभिक चरण के इनोवेटर्स तथा स्टार्टअप्स को उनके विचारों को सफल उद्योगों के रूप में विकसित करने में सहायता करती है।

i-Hub का नया कैम्पस लगभग 1.5 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में फैला हुआ है, जो एक साथ लगभग 500 स्टार्टअप्स का समावेश कर सकता है। i-Hub द्वारा अब तक 620 स्टार्टअप्स को सीधी सहायता दी गई है और स्टार्टअप सृजन सीड सपोर्ट योजना अंतर्गत 402 स्टार्टअप्स को 23 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता प्रदान की गई है।

गुजरात सरकार की ओर से 15 लाख रुपए का अनुदान प्राप्त कर मनन बैटरीवाला बने सफल उद्यमी

i-Hub की सहायता से 'कीपसेक ऑटोमेशन' नामक बड़ी कंपनी स्थापित करने वाले श्री मनन बैटरीवाला कहते हैं, 'मैंने अपनी यात्रा की शुरूआत एक फ्रीलांसर के रूप में की थी। उसमें से जब हमने एक कंपनी स्थापित करने का विचार किया, तब i-Hub ने हमें मार्गदर्शन दिया कि कंपनी किस तरह बनाई जाए, उसे आगे किस तरह ले जाया जाए। i-Hub ने कम्प्लायंस या लीगल किसी भी प्रकार की मदद के लिए भी सपोर्ट किया। इसके अतिरिक्त; i-Hub सेंटर की सहायता से हम कंपनी की पहचान स्थापित कर सके और हमने एग्जीबिशन मंच भी प्राप्त किया। आज हमारी कंपनी में 37 लोग काम कर रहे हैं। गुजरात सरकार की ओर से हमें कुल 15 लाख रुपए का अनुदान मिला है। इस सपोर्ट के कारण आज मैं एक सफल उद्यमी बना हूँ।'

i-Hub के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा 1,400 कुशल रोजगार का सृजन हुआ

i-Hub के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स द्वारा राज्य में लगभग 1,400 कुशल रोजगार का सृजन हुआ है, जबकि इन स्टार्टअप्स की कुल मार्केट वैल्यू लगभग 3,569 करोड़ रुपए तक पहुँची है। i-Hub के जरिये स्टार्टअप्स को विभिन्न वेंचर फंड्स द्वारा 416 करोड़ रुपए से अधिक का निजी फंड उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ; i-Hub ने 20 से अधिक जिलों में हब-एंड-स्पोक मॉडल द्वारा पहुँच बढ़ाई है और 4 लाख से अधिक युवाओं को स्टार्टअप तथा इनोवेशन के विषय में जागृत किया है।

हए२३१३ : महिलाओं को स्टार्टअप क्षेत्र में सशक्त बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल

स्टार्टअप क्षेत्र में महिलाओं के समावेश के लिए शुरू की गई हए२३१३ पहल के तहत 196 महिला संचालित स्टार्टअप्स को सहायता दी गई है, जो कुल सपोर्टेड स्टार्टअप्स का लगभग 30 प्रतिशत है। राज्य में स्टार्टअप तथा इनोवेशन क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने के लिए अहमदाबाद में कार्यरत i-Hub के बाद अब आगामी एक वर्ष में वडोदरा, सूरत, राजकोट तथा मेहसाणा में चार नए सेंटर शुरू किए जाएंगे। स्टार्टअप का यह मजबूत इकोसिस्टम 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' के विजन में भी उल्लेखनीय योगदान देगा।

कोहली-सूर्या को पछाड़ 23 साल के इस छोरे ने जीती ऑरेंज कैप, बनाया आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

साल 2025 क्रिकेट के लिहाज से बेहद रोमांचक रहा, लेकिन जब बात क्द्धछ 2025 की आती है, तो यह सीजन पूरी तरह से युवाओं के नाम रहा। इस साल जिस सितारे ने सबसे ज्यादा चमक बिखेरी, वह कोई और नहीं बल्कि गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं।

साई सुदर्शन ने इस साल वह कर दिखाया जो बड़े-बड़े दिग्गज नहीं कर पाए। महज 23 साल की उम्र में उन्होंने 759 रन बनाकर ऑरेंज कैप अपने नाम की। इसी के साथ उन्होंने शुभमन गिल का रिकॉर्ड तोड़ दिया और आईपीएल इतिहास के सबसे युवा ऑरेंज कैप विजेता बन गए।

साई का शतक रहा यादगार

साई ने इस सीजन में न केवल रन बनाए, बल्कि 54.21 की औसत और 156.17 के स्ट्राइक रेट से विरोधियों की धज्जियां उड़ाईं। उन्होंने सीजन में 1 शानदार शतक और 6 अर्धशतक जड़े। उनकी 108* रनों की पारी इस साल की सबसे यादगार पारियों में से

एक रही।

सूर्या और कोहली को भी पछाड़ा

मिस्टर 360 यानी सूर्यकुमार यादव (717 रन) ने सीजन के अंत में जबरदस्त वापसी की और 'मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर' (टश्ढ) भी बने, लेकिन वे साई सुदर्शन के रनों के पहाड़ को पार नहीं कर सके। वहीं, विराट कोहली 657 रनों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और एक बार फिर साबित किया कि वे अभी भी 'किंग' हैं।

गिल और मार्श का रहा बड़ा प्रभाव

शुभमन गिल की कप्तानी और रनों की निरंतरता गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल के लिए भी आईपीएल 2025 बेहद शानदार रहा। गिल ने इस सीजन में अपनी कप्तानी के साथ-साथ अपनी बल्लेबाजी से भी सबको प्रभावित किया और 650 रन बनाकर सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने इस साल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से तबाही मचा दी। मार्श ने महज 13 मैचों में ही 627 रन ठोक दिए और टॉप-5 में पांचवां स्थान सुरक्षित किया। उनका स्ट्राइक रेट इस सीजन के टॉप बल्लेबाजों में सबसे घातक रहा, जिसके दम पर उन्होंने बड़े-बड़े गेंदबाजों की लाइन-लेंथ बिगाड़ दी।

शार्दुल ठाकुर के घर गूंजी किलकारी, पत्नी मिताली ने दिया बेटे को जन्म, फैंस बोले- जूनियर लॉर्ड आ गया

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर और 'लॉर्ड' के नाम से मशहूर शार्दुल ठाकुर के जीवन में एक नई खुशी ने दस्तक दी है। शार्दुल और उनकी पत्नी मिताली पारुलकर एक प्यारे से बेटे के माता-पिता बन गए हैं। इस खबर के सामने आते ही क्रिकेट जगत और उनके फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

जैसे ही शार्दुल के पिता बनने की खबर सार्वजनिक हुई, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई है। भारतीय टीम के उनके साथी खिलाड़ियों समेत फैंस उन्हें 'जूनियर लॉर्ड' के आने पर

शुभकामनाएं दे रहे हैं। शार्दुल फिलहाल मैदान से बाहर अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों का आनंद ले रहे हैं।

शार्दुल ठाकुर और मिताली पारुलकर ने एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट करने के बाद 27 फरवरी 2023 को मुंबई में एक भव्य समारोह में शादी रचाई थी। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थीं। अब शादी के लगभग पौने दो साल बाद इस जोड़े के घर में पहली संतान का आगमन हुआ है।

शार्दुल ठाकुर भारतीय टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं, खासकर टेस्ट और वनडे क्रिकेट में उनकी 'ब्रेकथ्रू' दिलाने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। घरेलू क्रिकेट में वे मुंबई का प्रतिनिधित्व करते हैं और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। आईपीएल में इस बार शार्दुल ठाकुर मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए नजर आएँगे।

अंडर 19 एशिया कप में हाई लेवल ड्रामा, भारतीय टीम ने दिखाई मोहसिन नकवी को औकात, मेडल लेने से किया इनकार

(जीएनएस)।

अंडर-19 एशिया कप 2025 का फाइनल मुकाबला न केवल क्रिकेट के रोमांच, बल्कि मैदान के बाहर के 'ड्रामा' के लिए भी याद रखा जाएगा। पाकिस्तान ने भारत को 191 रनों से हराकर खिताब तो अपने नाम कर लिया, लेकिन प्रेजेंटेशन सेरेमनी (पुरस्कार वितरण समारोह) के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के एक कदम ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया।

जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष और एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के प्रमुख मोहसिन नकवी विजेताओं और उपविजेताओं को मेडल देने के लिए स्टेज पर आए, तो भारतीय खिलाड़ियों ने उनके साथ स्टेज साझा करने से साफ इनकार कर दिया। टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने मुख्य मंच पर जाने के बजाय, एक आईसीसी अधिकारी से अपने रनर-अप मेडल लिए।

पुरानी दुश्मनी और ताजा विवाद

यह पहली बार नहीं है जब टीम इंडिया ने मोहसिन नकवी को नजरअंदाज किया हो। इससे पहले सितंबर 2025 में हुए सीनियर एशिया कप के दौरान भी भारतीय टीम ने नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे राजनीतिक तनाव और हाल ही में हुए कुछ घटनाक्रमों की वजह से भारतीय टीम ने यह कड़ा रुख अपनाया है।

नकवी ने पाकिस्तान टीम के साथ मनाया जश्न

भारतीय टीम द्वारा 'स्नब' किए जाने के बाद मोहसिन नकवी सीधे पाकिस्तानी टीम के पास चले गए। उन्होंने कप्तान फरहान यूसुफ को ट्रॉफी सौंपी और फिर पाकिस्तानी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते हुए फोटो खिंचवाई। वे पाकिस्तानी खिलाड़ियों के 'विक्ट्री लैप' (मैदान का चक्कर) के दौरान भी उनके साथ नजर आए।

पाकिस्तान ने किया बढ़िया प्रदर्शन

एशिया कप के फाइनल मैच में आज का दिन भारत के लिए खराब रहा। पहले बैटिंग करते हुए पाकिस्तान ने 347 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया। इसके बाद टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम महज 156 के कुल स्कोर पर आउट हो गई।

सीएमओ ने टीकाकरण सत्र की स्थिति का लिया जायजा

(जीएनएस)।

बलरामपुर। शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी द्वारा उपकेन्द्र छतईडीह का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दिसंबर 2025 को किया गया, जिसमें टीकाकरण सत्र एवं अभिलेख रख-रखाव की स्थिति की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के समय तक एएनएम सुचित्रा सिंह द्वारा कुल 09 बच्चों एवं 12 बच्चों का टीकाकरण किया जाना पाया गया। सत्र स्थल पर सुपरविजन के लिए सीएचओ रश्मि पाल की ड्यूटी निर्धारित थी। निरीक्षण के दौरान मौके पर अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुलसीपुर डॉ. विकल्प मिश्रा, बीपीएम प्रियंका गुप्ता, आशा कार्यकर्ता राजपति तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रंजना उपस्थित रहीं।

निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने रिकॉर्ड के रख-रखाव में सुधार, समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा सुपरविजन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में लक्ष्य के अनुरूप सेवाओं की वास्तविक प्रगति का सही एवं समयबद्ध अभिलेखीकरण अनिवार्य किया जाए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाया जा सके।

बलरामपुर में अतिक्रमण पर बुलडोजर की सख्ती, मार्च तक चलेगा अभियान

संकरी गलियों आवासीय इलाकों और नालों पर कब्जे भी होंगे ध्वस्त

(जीएनएस)।

बलरामपुर जिले सहित नगर क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। जिलाधिकारी विपिन जैन ने कार्यभार संभालते ही स्पष्ट कर दिया था कि नगर में न तो जाम की समस्या बर्दाश्त की जाएगी और न ही नालों व सार्वजनिक मार्गों पर किसी भी तरह का कब्जा। इसी प्राथमिकता के तहत नगर में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान की शुरूआत की गई है,जिसका असर अब साफ नजर आने लगा है।

इस अभियान के अंतर्गत मुख्य हाईवे,बाजारों और प्रमुख मार्गों से लेकर अब संकरी गलियों और आवासीय इलाकों तक कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रशासन द्वारा पहले से तय शेड्यूल के अनुसार लगातार बुलडोजर और जेसीबी की कार्रवाई की जा रही है। कई अतिक्रमणकारियों ने कार्रवाई के डर से स्वयं ही अपने अवैध निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं, जबकि जो अब भी नहीं मान रहे,उनके खिलाफ नगर के अलग-अलग हिस्सों में बुलडोजर गरजता नजर आ रहा है।

इसी बीच नगर पालिका अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' के डिजिटल माध्यम से दिए गए नए बयान ने अतिक्रमणकारियों की चिंता और बढ़ा दी है। उन्होंने साफ कहा कि यह अभियान अभी और तेज होगा तथा किसी को भी राहत नहीं दी जाएगी।

मार्च तक जारी रहेगा अभियान,बनेगा नया रोस्टर

नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के लिए 13 जनवरी को अंतिम दिन माना जा रहा था,लेकिन अब इसके लिए नया रोस्टर तैयार किया जाएगा। यह अभियान मार्च तक जारी रहने की संभावना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्रवाई केवल चौड़ी सड़कों और मुख्य बाजारों तक सीमित नहीं रहेगी,बल्कि अब संकरी गलियों,वार्डों और आवासीय क्षेत्रों में किए गए अवैध निर्माण भी हटाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कई मोहल्लों में अवैध निर्माण के कारण बड़ी गाड़ियों की बात तो दूर,आपात स्थिति में ई-रिक्शा,एम्बुलेंस और मोटरसाइकिल तक निकलना मुश्किल हो जाता है,जिससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। नगर के सभी 25 वार्डों को सुव्यवस्थित और सुंदर बनाने के लिए अतिक्रमण हटाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके बिना न तो सफाई व्यवस्था दुरुस्त हो सकती है और न ही नगर की अन्य समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है।

नालों पर कब्जा करने वालों को 72 घंटे का नोटिस

अभियान के दौरान यह सामने आया है कि नगर में बड़ी संख्या में लोगों ने नालों और नालियों पर पक्का निर्माण कर रखा है। कई स्थानों पर नालियों के ऊपर शौचालय,नालों पर मकान,बरामदे और सीढ़ियां बना दी गई थीं,जिससे नालों की जलनिकासी पूरी तरह बाधित हो गई थी। इसके कारण बरसात के समय पानी लोगों के घरों में घुसने लगता है।

प्रशासन द्वारा ऐसे अतिक्रमणकारियों को 72 घंटे का अल्टीमेटम नोटिस दिया जा रहा है। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय सीमा में कब्जा नहीं हटाने पर बुलडोजर कार्रवाई की जाएगी और इसका पूरा खर्च संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि जो लोग कार्रवाई के बाद दोबारा नालियों को लोहे की चादरों,जालियों या अन्य साधनों से ढककर कब्जा करने की कोशिश करेंगे,उनके खिलाफ जुमार्ना लगाया जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ठेले और मांस की दुकानों को सख्त अल्टीमेटम

नगर के मुख्य बाजारों में लगने वाले छोटे ठेले और मांस-मछली की दुकानों को लेकर भी प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बताया गया है कि फल और सब्जी के ठेले पूरे दिन बाजारों में आवागमन बाधित करते हैं,जिससे जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही दुकानों के सामने ठेले लगाए जाने और मनमानी वसूली की शिकायतें भी सामने आ रही थीं।

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब मुख्य बाजारों में किसी भी स्थिति में ठेले नहीं लगाए जाएंगे। सभी ठेला संचालकों को केवल वेंडिंग जोन में ही ठेले लगाने होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष ने बताया कि गर्ल्स कॉलेज से पानी टंकी रोड तक लगने वाली मांस और मछली की दुकानों को भी हटाया जाएगा,क्योंकि इस मार्ग से महिलाओं और बच्चों का आवागमन अधिक रहता है।

उन्होंने जानकारी दी कि नगर पालिका द्वारा अलग-अलग वेंडिंग जोन विकसित किए जा रहे हैं। फल विक्रेताओं के लिए अलग फल मंडी और मांस विक्रेताओं के लिए अलग बाजार विकसित किया जा रहा है। इसके साथ ही नगर पालिका द्वारा 625ङ्ग

निशुल्क सहायक उपकरण के लिए जांच शिविर आज से 24 दिसंबर तक किया जाएगा जांच शिविरों का आयोजन

शिविर में चयनित वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यागजनों को निशुल्क कृत्रिम अंग तथा सहायक उपकरण करवाए जाएंगे उपलब्ध

(जीएनएस)।

रेवाड़ी। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं डीसी अभिषेक मीणा के निर्देशन में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यागजनों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए जिला रेवाड़ी में 22 से 24 दिसंबर तक जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में पात्र पाए गए दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध करवाए जाएंगे।

` जिला रेडक्रॉस सोसायटी सचिव बिजेंद्र सौरोत ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय वयोश्री योजना और एडीआईपी योजना के तहत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर के सहायक उत्पादन केंद्र नई दिल्ली के सौजन्य से पात्र वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों को निशुल्क कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण दिए जाएंगे। इसके लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नजदीक स्टेडियम कोसली और बीडीपीओ कार्यालय जाटूसाना, 23 दिसंबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड खोल और बीडीपीओ कार्यालय खंड डहीना तथा 24 दिसंबर को कम्युनिटी हॉल मॉडल टाउन रेवाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावल में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों के लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

पात्रों को ये सहायक उपकरण कराए जाएंगे उपलब्ध

` जांच शिविरों में पात्र पाए गए लाभार्थियों को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर द्वारा भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए वॉकर, व्हीलचेयर, कान की मशीन, घड़ी, व्हीलचेयर कमोड सहित, सिलिकॉन फोन तकिया, नी ब्रेस, स्पाइनल स्पोर्ट, सरवाइकल कॉलर, फुट केयर किट इत्यादि सहायक यंत्र एवं उपकरण किए जाएंगे। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की एडीआईपी योजना के तहत दिव्यांग जनों को बैटरी द्वारा चालित तिपहिया साइकिल, पहिया कुर्सी, बैसाखी कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण प्रदान किए जाएंगे।`

ये है पात्रता के लिए आवश्यक दस्तावेज

` 60 साल से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की आय 15000 रुपये प्रतिमाह से अधिक न हो। वहीं दिव्यांगजन की आय 22500 रुपये प्रति माह से अधिक न हो। इसके अलावा आवेदनकर्ता फैमिली आईडी या पेंशन पासबुक, आधार कार्ड की फोटोकॉपी तथा दो पासपोर्ट आकार की फोटो जांच शिविर में साथ लेकर आएं।

बाँदा : रोटी बैंक टीम और समाजसेवी सैफुल्लाह,पूर्व प्रधान शादाब ग्राम हरदौली ने जरूरतमंदों को किया वृहद कंबल,कपड़ा आदि का वितरण

(जीएनएस)। बांदा

आज दिनांक 21 दिसम्बर 2025 को प्रत्येक रविवार की तरह आज भी बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संरक्षक शेख सादी जमा और बांदा रोटी बैंक सोसाइटी के सहसंरक्षक चन्द्रमौली भारद्वाज जी के संरक्षण में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के अध्यक्ष रिजवान अली की अध्यक्षता में बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी के संगठन मंत्री सुनील सक्सेना के नेतृत्व में,पूर्व ग्राम प्रधान ग्राम हरदौली मोहम्मद शादाब जी की उपस्थिति में,समाजसेवी ग्राम हरदौली सैफुल्लाह 200 कम्बल के विशेष सहयोग से बाँदा शहर के जिम्मेदार जागरूक लोगों के द्वारा दान में दिए गए कम्बल, कपड़े,जूते चप्पल आदि का वितरण ग्राम हरदौली ब्लॉक बबेरू तहसील बबेरू जनपद बाँदा के जरूरतमंद ग्रामीणों को किया गया तथा साथ ही ग्रामीणों को सर्पदंश, स्वास्थ्य,स्वच्छता तथा उनके कानूनी अधिकारों के प्रति बाँदा रोटी बैंक सोसाइटी की टीम की महिला महामंत्री रिया खान और उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम के द्वारा जागरूक किया गया,समाजसेवी सैफ उल्लाह ने सभी का आभार व्यक्त किया। उक्त कम्बल,कपड़े आदि पाकर ग्रामवासियों में अपार खुशी दिखाई दी सभी लोगों को दुआओं और आशीर्वाद से नवाजा उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 अजय कुमार ए0सी0एम0ओ0 बाँदा, विशिष्ट अतिथि डॉ0मकसूद नेत्र विशेषज्ञ,डॉ0 अनस दन्त रोग विशेषज्ञ, बाँदा रोटी बैंक से कार्यालय प्रभारी मोहम्मद शमीम,उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, शाखा प्रमुख खाई पार इरफान खान चाँद, उप शाखा प्रमुख छिप्तहरी अलीमुद्दीन,सदस्य जगदीश श्रीवास,निहाल खान, शहाना खान, नग्गो खातून आदि पदाधिकारी , सदस्यों एवं समाजसेवियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग किया।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील तुलसीपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

डीएम ने फरियादियों की सुनी शिकायतें, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

धारा 116 (खातेदारों की जमीन का आपसी विभाजन) में लापरवाही पर डीएम ने लेखपाल को निलबित किए जाने का दिया निर्देश

(जीएनएस)। बलरामपुर

तहसील तुलसीपुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी श्री विपिन कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री विकास कुमार द्वारा जनमानस की समस्याओं को सुना गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान शिकायतकर्ता के भूमि के धारा 116 (खातेदारों की जमीन का आपसी विभाजन) में जानबूझकर लापरवाही पाए जाने पर डीएम ने लेखपाल हेमराज को निलंबित किए जाने के निर्देश एसडीएम को दिया।

डीएम ने भूमि विवाद एवं कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में पुलिस एवं राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर समाधान सुनिश्चित करने को कहा । उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा न होने पाए, इसकी निगरानी अधिकारी नियमित रूप से करें।

तहसील बलरामपुर एवं तहसील उतरौला में भी सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ, जिसमें जनशिकायतों को सुना गया तथा निस्तारण की कार्रवाई की गई।

कार्यक्रम में एसडीएम तुलसीपुर श्री राकेश जयंत , सीओ तुलसीपुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेवाड़ी को मिली नेत्र जांच की विश्वस्तरीय सौगात

रिति आई केयर में लॉन्च हुई अत्याधुनिक OCT तकनीक

(जीएनएस)।

रेवाड़ी।अब रेवाड़ी के मरीजों को आंखों की गंभीर बीमारियों की जांच के लिए महानगरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। मॉडल टाउन स्थित रिति आई केयर अस्पताल में अत्याधुनिक ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (OCT) मशीन के सॉफ्ट लॉन्च के साथ जिले को नेत्र जांच की विश्वस्तरीय सुविधा की सौगात मिली है।

इस आधुनिक तकनीक का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय डॉ. अरविंद यादव, विशिष्ट अतिथि श्री रणधीर सिंह कापड़ीवास एवं पूज्य महंत श्री रामेश्वर दास जी के कर-कमलों एवं आशीर्वाद से हुआ। अतिथियों ने इसे क्षेत्र के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए मील का पत्थर बताया।

वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हरपाल झगटा ने बताया कि डउळ मशीन आंखों के अंदरूनी हिस्से की माइक्रो लेवल इमेजिंग कर रेटिना, ग्लूकोमा व अन्य जटिल नेत्र रोगों को शुरूआती अवस्था में ही पकड़ने में सक्षम है। इससे समय रहते इलाज संभव होगा और दृष्टिहीनता के खतरे को काफी हद तक रोका जा सकेगा।

कार्यक्रम के आयोजक श्री विजय लाम्बा ने कहा कि रिति आई केयर अस्पताल का उद्देश्य केवल इलाज नहीं, बल्कि क्षेत्रवासियों को भविष्य की तकनीक आज उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अस्पताल आगे भी आधुनिक मशीनों और अनुभवी डॉक्टरों के माध्यम से बेहतर सेवाएं देता रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान अस्पताल परिसर में उत्साह का माहौल रहा। अतिथियों, चिकित्सकों व मीडिया प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई शुरूआत के रूप में यादगार बना।

27 से 29 दिसंबर तक सांसद खेल महोत्सव 2025 पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 25 दिसंबर

रेवाड़ी, गुरुग्राम व नूंह में आयोजित होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

27 से 29 दिसंबर तक सांसद खेल महोत्सव 2025 पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 25 दिसंबर

रेवाड़ी, गुरुग्राम व नूंह में आयोजित होंगी विभिन्न प्रतियोगिताएं

(जीएनएस)। रेवाड़ी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत 27 से 29 दिसंबर 2025 तक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुरुग्राम, रेवाड़ी एवं नूंह जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी भाग लेंगे।

डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि खेल महोत्सव में प्रतिभागिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 दिसंबर 2025 है। उन्होंने बताया कि ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम, गुरुग्राम में एथलेटिक्स एवं बॉक्सिंग, राव तुलाराम खेल स्टेडियम रेवाड़ी में कबड्डी (एनएस) एवं फुटबॉल, अहीर कॉलेज रेवाड़ी में फुटबॉल, नेहरू खेल स्टेडियम सिविल लाइन गुरुग्राम में वॉलीबॉल, जूडो, जिम्नास्टिक एवं हॉकी, जबकि डीएवी पुलिस लाइन नूंह में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

डीसी ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 'फिट इंडिया' अभियान और 'खेलो इंडिया' की भावना को मजबूती प्रदान करेगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन लिंक पर` 25 दिसंबर 2025 तक पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खेल महोत्सव के दौरान एथलेटिक्स, कबड्डी (एनएस), फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, बॉक्सिंग, आर्चरी, जूडो एवं जिम्नास्टिक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत 27 से 29 दिसंबर 2025 तक खेलों का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव में गुरुग्राम संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गुरुग्राम, रेवाड़ी एवं नूंह जिलों के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी भाग लेंगे।

डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि खेल महोत्सव में प्रतिभागिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 दिसंबर 2025 है। उन्होंने बताया कि ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम, गुरुग्राम में एथलेटिक्स एवं बॉक्सिंग, राव तुलाराम खेल स्टेडियम रेवाड़ी में कबड्डी (एनएस) एवं फुटबॉल, अहीर कॉलेज रेवाड़ी में फुटबॉल, नेहरू खेल स्टेडियम सिविल लाइन गुरुग्राम में वॉलीबॉल, जूडो, जिम्नास्टिक एवं हॉकी, जबकि डीएवी पुलिस लाइन नूंह में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

डीसी ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 'फिट इंडिया' अभियान और 'खेलो इंडिया' की भावना को मजबूती प्रदान करेगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सांसद खेल महोत्सव आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सांसद खेल महोत्सव के तहत इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन लिंक पर` 25 दिसंबर 2025 तक पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि खेल महोत्सव के दौरान एथलेटिक्स, कबड्डी (एनएस), फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, कुश्ती, बॉक्सिंग, आर्चरी, जूडो एवं जिम्नास्टिक सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे खिलाडिय़ों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

उद्योगों से पीएम विकसित भारत रोजगार योजना का उठाएं लाभ : डीसी

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा- रोजगार सृजन को गति देने में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना निभाएगी अहम भूमिका

(जीएनएस)। रेवाड़ी

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने जिला के औद्योगिक संस्थानों से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके तहत युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे और उद्योगों को कार्यबल सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत रोजगार आधारित प्रोत्साहन योजना को 1 अगस्त 2025 से 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के रूप में लागू किया गया है। विकसित भारत पहल के अनुरूप तैयार की गई यह योजना देशभर में समावेशी एवं स्थायी रोजगार अवसरों के सृजन में सहायक सिद्ध होगी। योजना के दो प्रमुख भाग निर्धारित किए गए हैं।

भाग ए: पहली बार रोजगार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहनः

ईपीएफओ में पहली बार पंजीकृत कर्मचारियों को लक्षित करते हुए, इस भाग में एक महीने का ईपीएफ वेतन, अधिकतम 15,000 रुपए दो किश्तों में दिया जाएगा। 1 लाख रुपये तक के वेतन वाले कर्मचारी इसके पात्र होंगे। पहली किश्त 6 महीने की सेवा के बाद और दूसरी किश्त 12 महीने की सेवा और कर्मचारी द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम पूरा करने के बाद देय होगी। बचत की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए, प्रोत्साहन राशि का एक हिस्सा एक निश्चित अवधि के लिए बचत साधन या जमा खाते में रखा जाएगा और कर्मचारी बाद में इसे निकाल सकेगा।

भाग बीः नियोक्ताओं को सहायताः

यह भाग सभी सेक्टर में अतिरिक्त रोजगार सृजन को कवर करेगा, जिसमें विनिर्माण सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नियोक्ताओं को एक लाख रुपए तक के वेतन वाले कर्मचारियों के लिए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। सरकार कम से कम छह महीने तक निरंतर रोजगार वाले प्रत्येक अतिरिक्त कर्मचारी के लिए दो वर्षों तक नियोक्ताओं को अधिकतम 3000 रुपये प्रति माह तक का प्रोत्साहन देगी। विनिर्माण सेक्टर के लिए प्रोत्साहन राशि को तीसरे और चौथे वर्ष तक भी बढ़ाया जाएगा।

डीसी ने कहा कि ईपीएफओ के साथ पंजीकृत प्रतिष्ठानों को कम से कम छह महीने के लिए निरंतर आधार पर कम से कम दो अतिरिक्त कर्मचारी (50 से कम कर्मचारियों वाले नियोक्ताओं के लिए) या पांच अतिरिक्त कर्मचारी (50 या अधिक कर्मचारियों वाले नियोक्ताओं के लिए) नियुक्त करने की आवश्यकता होगी।